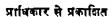


प्रसाबारण

EXTRAORDINARY

भाग 🎞---ज्ञण्ड ३---उपखण्ड (11)

PART II-Section 3-Sub-section (ii)



PUBLISHED BY AUTHORITY

मं० 303]

नई विस्त्रो, शुक्रवार, जुलाई 2, 1976/प्राप्राद्ध 11, 1898

No. 303]

NEW DELHI, FRIDAY, JULY 2, 1976/ASADHA 11, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह चलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE

(Archaeological Survey of India)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd July 1976

S.O. 448(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 14 of the Antiquities and Art Treasures Act, 1972 (52 of 1972), and in supersession of the notification of the Government of India in the Ministry of Education and Social Welfare (Archaeological Survey of India) No. G.S.R. 280(E) dated the 5th April, 1976, the Central Government hereby specifies the antiquities mentioned in the Schedule annexed hereto as the antiquities which shall be registered under the said Act:

Provided that notwithstanding the supersession of the notification aforesaid—

- (a) all antiquities specified in the Schedule annexed to the said notification and registered under the said Act before the date of publication of this notification shall be deemed to be validly registered under the said Act;
- (b) all applications for the registration of the antiquities specified in the Schedule annexed to the said notification shall be deemed to have been validly made and shall be dealt with as if the said notification had not been superseded.

THE SCHEDULE

The following antiquities which have been in existence for not less than one hundred years, namely:—

(i) sculptures in stone, terracotta, metals, ivory and bone;

- (ii) paintings (including miniatures and tankas) in all media, that is to say, paper, wood, cloth, skin, silk and the like;
- (iii) manuscripts, where such manuscripts contain paintings, illustrations or illuminations (that is, adornment with coloured lettering or illustrations).

[No. 1/30/75-Ant.]

M. N. DESHPANDE.

Director General and ex-officio Jt. Secy.

शिक्षा तथा समाज करवाण मंत्रालय

(भारतीय पुरातत्व सर्वेजण)

ग्रधिसूचना

नंड दिल्ली, 2 जुलाई, 1976

का० छा० 448 (छ).—पुरावशेष घीर बहुमूल्य कलाकृति घिधिमियम, 1972 (1972 का 52) धारा 14 की उपघारा (i) र्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भारत सरकार के शिक्षा तथा समाज कल्याण मंत्रालय (भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण) की घिध्यूचना सं० सा० का० नि० 281 (ध), तारीख 5 धप्रैल, 1976 को घिषकांत करते हुए केन्द्रीय सरकार उससे उपावद अनुसूची में उल्लिखित पुरावशेषों को ऐसे पुरावशेषों के रूप में विनिर्दिष्ट करती है, जो उक्त घिधिनयम के धन्तगैत रजिन्ट्रीकृत होंगे।

परन्तु उपर्युक्त ग्रधिसूचना के ग्रधिकांत किये जाने पर भी-

- (क) इस प्रधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से पूर्व उक्त प्रधिनियम के ग्रन्तर्गत रिजस्ट्री-कृत भीर उक्त प्रधिसूचना के साथ उपायद्ध घनुसूची में विनिर्दिष्ट सभी पुरावशेष उक्त प्रधि-नियम के ग्रन्तर्गत विधिमान्यतः रिजस्टीवृत माने जायेंगे।
- (ख) उक्त श्रधिसूचना के साथ उपावत प्रमुखी में विनिर्दिष्ट पुरावशेषों के रिजस्ट्री-करण के लिए किए गए सभी धावेदन विधिमान्यतः किये गये माने आयेंगे ग्रौर उनको वैसा ही समझा जायेगा मानो उवत ग्रधिसूचना ग्रधिकांत नहीं की गयी थी।

प्रनुस् ची

निम्नलिखित पुरावशेष, जिनका श्रस्तित्व एक सौ वर्षों से कम न हो प्रचत् :---

- (i) पत्थर, नण्मयी, धातु, हाथीदांत और हड्डी की बनी हुई मुर्तियां।
- (ii) सभी माध्यम ग्राथित् कागज, लकड़ी, कपड़ा, चमड़ा, रेशम ग्रौर ऐसे ही ग्रास्य प्रकार के चित्र (जिनमें लघु चित्र ग्रौर टंका भी शामिल हैं)।
- (iii) पाण्डलिपियां, जिनमें रंगीन चित्र, चित्राविलयां या चित्रों की सजावट (प्रयीत रंगीन अक्षरों की लिखावट या चित्राविलयां) हों।

[सं० 1/30/75-पुरा]

एम० एन० देशपांडे,

महानिदेशक पदेन संयुक्त सचिव।